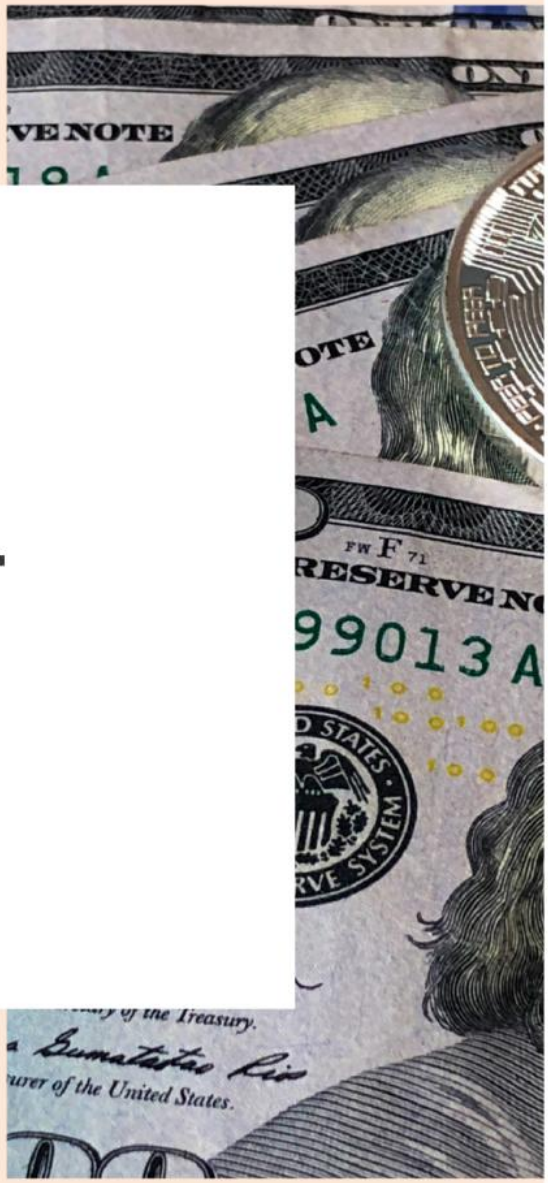
aglasem.com

कक्षा ११ अर्थशास्त्र नोट्स

परिचय



Key Notes and Important Questions with Answers

इकाई-1

परिचय

स्मरणीय बिन्दु

- व्यष्टि अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र की वह शाखा है जो व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करती है।

  उदाहरण: व्यक्तिगत माँग, एक फर्म का उत्पादन आदि।

- समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था तथा उसके समुच्चयों का अध्ययन किया जाता है।

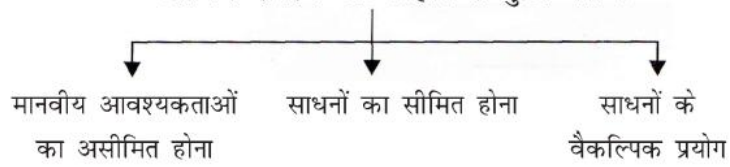
  उदाहरण: समग्र माँग, राष्ट्रीय आय आदि।

- अर्थव्यवस्था वह प्रणाली है जो लोगों को जीविका अर्जित करने के साधन और जीविका प्रदान करती है।

- आर्थिक समस्या असीमित आवश्यकताओं की संतुष्टि हेतु वैकल्पिक उपयोग वाले सीमित संसाधनों के उपयोग के चयन की समस्या है।

- आर्थिक समस्या उत्पन्न होने के मुख्य कारण हैं-

आर्थिक समस्या उत्पन्न होने के मुख्य कारण



- एक अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ :

  (1) क्या उत्पादन किया जाए? (वस्तुओं का चयन)

  (2) कैसे उत्पादन किया जाए? (तकनीक का चयन)

  (3) किसके लिए उत्पादन किया जाए? (वस्तुओं अथवा आय के वितरण की समस्या)

- ❑ एक अवसर का चयन करने पर दूसरे सर्वश्रेष्ठ अवसर का किया गया त्याग अवसर लागत कहलाता है। इसे सर्वश्रेष्ठ विकल्प की लागत भी कहा जाता है।
- ❑ उत्पादन संभावना सीमा (PPF) दो वस्तुओं के उन सभी संयोगों को दर्शाता है जिनका उत्पादन एक अर्थव्यवस्था अपने दिए हुए संसाधनों तथा तकनीकी स्तर का प्रयोग करके कर सकती है, यह मानते हुए कि सभी संसाधनों का पूर्ण एवं कुशलतम उपयोग हो रहा है।
- ❑ संसाधनों के मितव्ययी प्रयोग से अभिप्राय संसाधनों के सर्वश्रेष्ठ व कुशलतम प्रयोग से है।
- ❑ उत्पादन संभावना वक्र की मुख्य विशेषताएँ-
  - (अ) नीचे की ओर ढालू बायें से दायें होता है। इसका कारण यह है कि साधन सीमित होने के कारण यदि एक वस्तु का अधिक मात्रा में उत्पादन किया जाता है तो दूसरी वस्तु के उत्पादन की मात्रा में कमी करनी होती है।
  - (ब) मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है। इसका कारण बढ़ती हुई सीमांत अवसर लागत (MOC) है। अर्थात एक वस्तु का उत्पादन बढ़ाने के लिए दूसरी वस्तु की इकाइयों का त्याग बढती दर पर करना पड़ता है। क्योंकि कोई भी संसाधन सभी वस्तुओं के उत्पादन में समान रूप से सक्षम नहीं होता। अत: जब कम क्षमता वाले संसाधनों का प्रयोग किया जाता है तो लागत बढ़ती हे जिससे MOC बढ़ती है।
- ❑ उत्पादन सम्भावना वक्र का दायीं ओर खिसकाव संसाधनों में वृद्धि तथा तकनीकी प्रगति को दर्शाता है।
- ❑ उत्पादन संभावना वक्र का बायीं ओर खिसकाव संसाधनों में कमी तथा तकनीकी अवनति को दर्शाता है।
- ❑ उत्पादन सम्भावना वक्र उन सभी कारणों से दाईं ओर खिसकेगा जिनसे अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता व संसाधनों की मात्रा तथा कुशलता में सुधार होता है।

दाई ओर खिसकाव के कारण	बाई ओर खिसकाव के कारण	PPC में कोई परिवर्तन नहीं
1. संसाधनों में वृद्धि	1. संसाधनों में कमी	1. संसाधनों का स्थनांतरण
2. तकनीकी प्रगति	2. तकनीकी अवनीति	2. बेरोजगारी उन्मूलन कार्यक्रम
3. कौशल भारत अभियान (प्रशिक्षण)	3. प्राकृतिक आपदा (बाढ़, भूकम्प सुनामी, सूखा आदि।	
4. सर्व शिक्षा अभियान (शिक्षा)	4. सामाजिक कुरीतियाँ	
5. स्वच्छ भारत अभियान (स्वास्थ्य)	5. प्रवास	
6. योगा प्रसार योजनाएँ (स्वास्थ्य)	6. युद्ध	

दाई ओर खिसकाव के कारण	बाई ओर खिसकाव के कारण	PPC में कोई परिवर्तन नहीं
7. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं (शिक्षा)	7. आतंकवाद	
8. भारत में बनाइए (निवेश)		
9. विदेशी पूँजी में वृद्धि (विदेशी निवेश)		

- सीमांत विस्थापन दर एक वस्तु की त्यागी जाने वाली इकाइयों तथा अन्य वस्तु की बढ़ाई गई एक अतिरिक्त इकाई का अनुपात है।

$$MRT = \frac{\Delta Y}{\Delta X}$$

सीमांत विस्थापन दर को सीमांत अवसर लागत भी कहते हैं क्योंकि वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई बढ़ाने के लिए दूसरी वस्तु की त्यागी गई इकाईयाँ ही अतिरिक्त लागत होती है।

- जब MOC बढ़ती है तो PPF मूल बिन्दु के नतोदर होता है। जब MOC घटती है तो PPF मूल बिन्दु के उन्नतोदर होता है। जब MOC स्थिर होती है तो PPF ऋणात्मक ढ़ाल वाली एक सरल रेखा होती है।

- **सकारात्मक (वास्तविक) आर्थिक विश्लेषण :** इसके अन्तर्गत यथार्थ (वास्तविकता) का अध्ययन किया जाता है। इसमें क्या था? क्या है? क्या होगा? जैसे वास्तविक कथनों का विश्लेषण सत्यता के आधार पर किया जाता है। उदाहरण के लिए भारत की जनसंख्या 1951 में कितनी थी? वर्तमान में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या कितनी है। इन कथनों की जाँच संभव होती है।

- **आदर्शात्मक आर्थिक विश्लेषण :** इसमें 'क्या होना चाहिए' से सम्बन्धित विश्लेषण किया जाता है। इसमें आदर्शात्मक परिस्थितियों का अध्ययन किया जाता है। इसकी प्रकृति सुझाव देने की है। उदाहरण के लिए भारत में आय व धन की असमानताओं को कम करने के लिए सरकार को अमीर लोगों पर अधिक कर लगाने चाहिए, गरीबों को आर्थिक सहायता देनी चाहिए। इन कथनों की जाँच संभव नहीं होती।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्न में से कौन सा व्यष्टि अर्थशास्त्र में अध्ययन किया जाता है।
   (a) मुद्रा पूर्ति (b) समग्र माँग
   (c) एक वस्तु की बाजार माँग (d) राष्ट्रीय आय।
2. निम्न में से कौन-सा विषय समष्टि अर्थशास्त्र में अध्ययन नहीं किया जाता–
   (a) रोजगार स्तर (b) समग्र पूर्ति
   (c) राष्ट्रीय आय (d) बाजार कीमत का निर्धारण
3. आर्थिक समस्या निम्न कारण से उत्पन्न होती है–
   (a) एक राष्ट्र की उच्च जनसंख्या
   (b) क्रेताओं के बीच प्रतियोगिता
   (c) संसाधनों के वैकल्पिक उपयोग
   (d) उत्पादक अधिकतम लाभ चाहता है।
4. निम्न में से कौन सी अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या है?
   (a) अल्प माँग
   (b) एक अर्थव्यवस्था का संतुलन
   (c) किसके लिए उत्पादन किया जाए
   (d) साधन के घटते प्रतिफल
5. उत्पादन संभावना वक्र (PPF) के बाहर का कोई बिन्दु दर्शाता है:
   (a) संसाधनो का निम्न उपयोग (b) उत्पादन का अप्राप्य संयोग
   (c) संसाधनों का कुशलतम उपयोग
   (d) संसाधनों में कमी
6. किस स्थिति में उत्पादन संभावना वक्र (PPF) दाई ओर खिसकता है–
   (a) विदेशी पूँजी निवेश में वृद्धि (b) संसाधनों में कमी
   (c) संसाधनों का पूर्ण कुशलतम उपयोग (d) रोजगार में वृद्धि।
7. उत्पादन संभावना वक्र एक सीधी रेखा हो सकता है, जब–

(a) दोनों वस्तुओं के उत्पादन में कमी की जाए

(b) दोनों वस्तुओं का अधिक उत्पादन किया जा सकता है।

(c) सभी संसाधन दोनों वस्तुओं के उत्पादन में समान रूप से कुशल हो।

(d) सभी संसाधन दोनों वस्तुओं के उत्पादन में समान रूप से कुशल न हो।

8. निम्न में से कौन सी उत्पादन संभावना वक्र की मान्यता हैं–

(a) सभी संसाधनों का पूर्ण तथा कुशलम उपयोग होता है।

(b) तकनीक समान रहती है।

(c) संसाधन दो वस्तुओं के उत्पादन में समान रूप से कुशल नहीं है।

(d) उपरोक्त सभी।

9. निम्न में से कौन सा कथन अवसर लागत के लिए सत्य है–

(a) अवसर लागत सदैव चयन की गई कीमत से अधिक होती है।

(b) अवसर लागत सदैव चयन की गई कीमत से कम होती है।

(c) अवसर लागत की गणना सदैव मुद्रा में की जाती है।

(d) अवसर लागत चयन की गई कीमत से कम, ज्यादा या बराबर हो सकती है।

10. निम्न में से कौन सा आदर्शात्मक अर्थशास्त्र का विषय है–

(a) भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या निर्धनता रेखा से नीचे है।

(b) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में वृद्धि से भारत की GDP में वृद्धि हुई है।

(c) आय का समान वितरण भारत को निर्धनता मुक्त बना देगा।

(d) सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं पर उच्च व्यय, समग्र माँग को बढ़ाता है।

उत्तर– 1. (c); 2. (d); 3. (c); 4. (c); 5. (b); 6. (a); 7. (c); 8. (d); 9 (d); 10 (c)

लघु उत्तर वाले प्रश्न (3/4 अंक)

1. व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर लिखिए। उदाहरण भी दीजिए।
2. आर्थिक समस्या क्यों उत्पन्न होती है? 'कैसे उत्पादन किया जाए' समस्या की व्याख्या कीजिए।
3. 'क्या उत्पादन किया जाए' समस्या का वर्णन कीजिए।
4. 'किसके लिए' उत्पादन किया जाए की समस्या को उदाहरण सहित समझाइए।
5. अवसर लागत को उदाहरण की सहायता से परिभाषित कीजिए। यह सीमांत अवसर लागत से किस प्रकार भिन्न है?
6. रूपांतरण की सीमांत दर क्या है? एक संख्यात्मक उदाहरण की सहायता से समझाइए।
7. उत्पादन संभावना सीमा नतोदर (अवतल) क्यों होती है? समझाइए।
8. उत्पादन संभावना सीमा क्या है? इसकी मान्यताओं का उल्लेख कीजिए।
9. उत्पादन संभावना सीमा की सहायता से निम्न स्थितियों को दर्शाइए–
   (a) संसाधनों का पूर्ण उपयोग
   (b) संसाधनों का विकास
   (c) संसाधनों का अल्प प्रयोग
10. उदाहरण की सहायता से वास्तविक तथा आदर्शात्मक कथनों के बीच अंतर कीजिए।
11. एक भूकंप में बहुत से लोग मारे गए, अनेक कारखाने भी ध्वस्त हो गए। इसका अर्थव्यवस्था के उत्पादन संभावना वक्र पर क्या प्रभाव होगा?
12. निम्नलिखित से सीमांत अवसर लागत की गणना कीजिए। उत्पादन संभावना वक्र की आकृति कैसी होगी तथा क्यों?

संयोग	हरी मिर्च (इकाई)	चीनी (इकाई)
A	100	0
B	95	1

C	85	2
D	70	3
E	50	4
F	25	5

13. यह मानकर कि कोई भी संसाधन सभी वस्तुओं के उत्पादन में एक समान दक्ष नहीं होता, उस वक्र का नाम बताइए जो अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता को दिखाता है। कारण बताते हुए इसकी विशेषताएँ बताइए।
14. यदि एक अर्थव्यवस्था अपने उपलब्ध संसाधनों का कुशलता पूर्वक उपयोग नहीं कर पा रही है तो उत्पादन संभावना वक्र पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। इस परिस्थिति में आप आर्थिक विकास के लिए क्या सुझाव देंगे?
15. सरकार द्वारा रोजगार के अवसरो का सृजन करने के लिए प्रारंभ की गई योजना मनरेगा का PPF पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
16. 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करने का सरकारी प्रयास है, इसका भारत के उत्पादन संभावना सीमा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (1 अंक)

Q. 1. अर्थव्यवस्था को परिभाषित कीजिए।

Ans. 'अर्थव्यवस्था वह प्रणाली है जो लोगों को जीविका अर्जित करने के साधन और जीविका प्रदान करती है।'

Q. 2. संसाधनों की दुर्लभता का क्या अर्थ है?

Ans. संसाधनों की दुर्लभता से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें किसी संसाधन की पूर्ति, उसकी माँग की तुलना में कम होती हैं।

Q. 3. आर्थिक समस्या का अर्थ लिखिए।

Ans. आर्थिक समस्या असीमित आवश्यकताओं की संतुष्टि हेतु, वैकल्पिक उपयोग वाले दुर्लभ संसाधनों के उपयोग के चयन की समस्या है।

Q. 4. MRT (सीमांत रूपान्तरण की दर) को परिभाषित कीजिए।

Ans. MRT एक वस्तु Y की इकाईयों का वह अनुपात है जिसे दूसरी वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई उत्पादन के लिये त्याग किया जाता है।

$$MRT = \frac{\Delta Y}{\Delta X}$$

Q. 5. अवसर लागत को परिभाषित कीजिए।

Ans. एक अवसर का चयन करने पर दूसरे सर्वश्रेष्ठ अवसर का किया गया त्याग अवसर लागत कहलाता है।

Q. 6. सरकार ने विदेशी पूँजी को प्रस्तावित करना शुरु कर दिया है। PPC के संदर्भ में इसका आर्थिक मूल्य क्या है?

Ans. विदेशी पूँजी निवेश में वृद्धि से देश का उत्पादन बढ़ेगा और PPC दायीं ओर खिसक जाएगा।

Q. 7. 'संसाधनों की मितव्ययिता' का क्या अर्थ है?

Ans. संसाधनों की मितव्ययिता का अर्थ उपलब्ध संसाधनों के सर्वश्रेष्ठ व कुशलतम उपयोग से है।

(3-4 अंक वाले प्रश्न)

Q. 1. उत्पादन सम्भावना वक्र अवतल (नतोदर) क्यों होता है? समझाइए।

Ans. उत्पादन सम्भावना वक्र के नतोदर होने का अर्थ है कि जैसे-जैसे हम वक्र पर नीचे की ओर आते हैं, सीमांत रूपांतरण दर बढ़ती जाती है।

सीमान्त रूपान्तरण दर इस मान्यता के आधार पर बढ़ती है कि कोई भी संसाधन सभी वस्तुओं के उत्पादन में समान रूप से सक्षम नहीं होता। जैसे-जैसे संसाधनों का एक वस्तु के उत्पादन से अन्य वस्तु के उत्पादन में हस्तान्तरण किया जाता है तो कम क्षमता वाले संसाधनों का प्रयोग करना पड़ता है। इससे लागत बढ़ती है और सीमान्त रूपान्तरण दर बढ़ती जाती है।

Q. 2. एक उत्पादन सम्भावना वक्र की विशेषताएँ बताइए।

Ans. उत्पादन सम्भावना वक्र की दो मुख्य विशेषताएँ :

1. **उत्पादन सम्भावना सीमा का ढलान नीचे की ओर होता है**-इसका कारण

है कि उपलब्ध संसाधनों के उपयोग की स्थिति में दोनों वस्तुओं के उत्पादन को एक साथ नहीं बढ़ाया जा सकता है। एक वस्तु का उत्पादन तभी अधिक किया जा सकता है जब दूसरी वस्तु का उत्पादन कम किया जाए।

2. **मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है**- इसका कारण यह है कि जैसे-जैसे हम एक वस्तु का अधिक उत्पादन करते हैं, सीमान्त रूपान्तरण दर बढ़ती जाती है।

Q. 3. 'क्या उत्पादन करें' की समस्या की व्याख्या कीजिए।

Ans. एक अर्थव्यवस्था अपने दिए हुए संसाधनों से वस्तुओं और सेवाओं के विभिन्न सम्भव सम्मिश्रणों का उत्पादन कर सकती है। समस्या यह है कि अर्थव्यवस्था इन सम्मिश्रणों में से किस सम्मिश्रण का चयन करे। यह वस्तुओं व सेवाओं के चयन की समस्या है। यदि एक वस्तु का उत्पादन अधिक किया जाता है तो अन्य वस्तुओं के उत्पादन के लिए कम संसाधन बचेंगे। अत: अर्थव्यवस्था के समक्ष यह समस्या होती है कि किन-किन वस्तुओं का उत्पादन कितनी-कितनी मात्रा में किया जाए। क्योंकि संसाधन सीमित हैं तथा उनके वैकल्पिक प्रयोग संभव हैं।

Q. 4. 'रूपान्तरण की सीमान्त दर' क्या है? एक उदारहण की सहायता से समझाइए।

Ans. दो वस्तुएँ उत्पादित करने वाली अर्थव्यवस्था में एक वस्तु की अतिरिक्त इकाई उत्पादित करने के लिए दूसरी वस्तु की जितनी इकाईयों का त्याग करना पड़ता है उसे रूपान्तरण की सीमान्त दर कहते हैं। माना एक अर्थव्यवस्था केवल दो वस्तुओं x तथा y का उत्पादन करती है। जब संसाधनों का पूर्ण तथा कुशलतम प्रयोग किया जाता है, तो अर्थव्यवस्था में 1x + 10y उत्पादन होता है। यदि अर्थव्यवस्था 2x वस्तुओं का उत्पादन करना चाहती है तो y वस्तु का उत्पादन 2 इकाई कम करना पड़ता है। दूसरे शब्दों में x वस्तु की अतिरिक्त इकाई का उत्पादन करने के लिए 2y इकाई का त्याग करना पड़ेगा। रूपान्तरण की सीमान्त दर 2y : 1x होगी। $MRT = \frac{\Delta Y}{\Delta X}$

Q. 5. 'किस प्रकार उत्पादन किया जाए?' की समस्या की व्याख्या कीजिए।

Ans. यह समस्या वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में प्रयुक्त तकनीक के चयन की समस्या है। सामान्यत: तकनीकों को श्रम प्रधान तकनीक (अधिक श्रम और

कम पूँजी) और पूँजी प्रधान तकनीक (अधिक पूँजी और कम श्रम) में वर्गीकृत किया जाता है। श्रम प्रधान तकनीक में अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध होता है, परन्तु उत्पादन पूँजी प्रधान तकनीक की तुलना में कम होता है। इसी प्रकार पूँजी प्रधान तकनीक में उत्पादन अपेक्षाकृत अधिक होता है, लेकिन रोजगार का स्तर अपेक्षाकृत कम होता है। अत: देश के समक्ष यह समस्या है कि वह उत्पादन के लिए किस तकनीक का चयन करें।

उदाहरण के लिए कपड़े का उत्पादन श्रम प्रधान तकनीक से भी हो सकता है, पूँजी प्रधान तकनीक से भी।

Q. 6. सरकार ने उन श्रमिकों के लिए जो MNREGA के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं, एक वर्ष के दौरान न्यूनतम रोज़गार को 100 से बढ़ाकर 150 दिन कर दिया है। यह अर्थव्यवस्था के वास्तविक तथा संभावित उत्पादन स्तर को कैसे प्रभावित करेगा?

Ans. रोज़गार में वृद्धि के कारण उत्पादन का वास्तविक स्तर बढ़ जाएगा। उत्पादन के संभावित स्तर में वृद्धि नहीं होगी। (या PPC में खिसकाव नहीं होगा) क्योंकि PPC इस मान्यता पर आधारित है कि विद्यमान संसाधनों का पूर्ण प्रयोग किया जाता है।

Q. 7. 'किसके लिए उत्पादन किया जाए' केन्द्रीय समस्या समझाइए।

Ans. इस समस्या का सम्बन्ध उस वर्ग के लोगों के चयन से है जो अंतत: वस्तुओं का उपभोग करेंगे। दूसरे शब्दों में इस समस्या का अर्थ है कि उत्पादन किस वर्ग को ध्यान में रखकर किया जाए–अमीर लोगों के लिए उत्पादन किया जाए या गरीब लोगों के लिए। स्पष्टत: वस्तुओं का उत्पादन उन लोागें के लिए किया जाता है जिनके पास क्रयशक्ति होती है। इस समस्या का सम्बन्ध उत्पादन के साधनों (भूमि, पूँजी, श्रम, उद्यमशीलता) के बीच आय के वितरण से भी है, जो कि उत्पादन प्रक्रिया में योगदान देते हैं।

Q. 8. कारण बताते हुए निम्नलिखित तालिका पर आधारित उत्पादन सम्भावना के आकार पर टिप्पणी कीजिए :

वस्तु X (इकाई)	0	1	2	3	4

वस्तु Y (इकाई)	10	9	7	4	0

Ans.

वस्तु **X** (इकाई)	वस्तु **Y** (इकाई)	**MRT**
0	10	–
1	9	1Y : 1X
2	7	2Y : 1X
3	4	3Y : 1X
4	0	4Y : 1X

क्योंकि रूपान्तरण की सीमान्त दर (MRT) बढ़ रही है, उत्पादन सम्भावना वक्र PPC ऋणात्मक ढ़ाल वाला होगा और मूल बिन्दु के नतोदर होगा।

Q. 9. जम्मू और कश्मीर में आई बाढ़ का उसकी उत्पादन सम्भावना सीमा (वक्र) पर प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

Ans. जम्मू और कश्मीर में आई बाढ़ से उसके संसाधनों को नुकसान होगा, उसमें कमी आएगी। परिणाम स्वरूप उसकी उत्पादन क्षमता में कमी होगी और उसका उत्पादन सम्भाना वक्र बायीं ओर खिसक जाएगा।